दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने परीक्षाओं के लिए अभी से कसी कमर

9वीं से 12वीं के छात्रों का ऑनलाइन पंजीकरण करने के आदेश
15 अक्तूबर तक हर छात्र का रजिस्ट्रेशन हो सुनिश्चित

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 8 सितंबरः हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए अभी से कमर कस ली है। राज्य के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के नियमित विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीकरण 8 सितंबर 2026 से शुरू हो गया है। शिक्षा बोर्ड ने बिना विलंब शुल्क के पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की है। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि नियमित परीक्षार्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क मात्र 200 रुपये प्रति विद्यार्थी रखा गया है। जो स्कूल या विद्यार्थी 15 अक्टूबर तक इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाएंगे, उन्हें 16 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तक का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। हालांकि, इस अतिरिक्त अवधि में पंजीकरण करवाने पर प्रति विद्यार्थी 500 रुपये का विलंब शुल्क चुकाना होगा। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि 16 नवंबर की डेडलाइन बीत जाने के बाद किसी भी परीक्षार्थी का पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है।

प्रिंसिपल और मुख्याध्यापकों की होगी पूरी जिम्मेदारी

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों, मुख्याध्यापकों और कक्षा प्रभारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे तय समय-सीमा के भीतर हर एक पात्र विद्यार्थी का पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी भी स्कूल की प्रशासनिक लापरवाही या देरी के कारण कोई छात्र परीक्षा प्रक्रिया से वंचित रहता है या प्रभावित होता है, तो इसकी शत-प्रतिशत जिम्मेदारी संबंधित स्कूल प्रबंधन की ही होगी।

विद्यार्थियों का भविष्य और उनके शैक्षणिक हित शिक्षा बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समय पर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने से बोर्ड को परीक्षाओं की रूपरेखा और तैयारियां पुख्ता करने में बड़ी मदद मिलेगी। स्कूल प्रबंधन से विशेष अपील की है कि फॉर्म भरते समय विद्यार्थी का नाम, माता-पिता का नाम, जन्म तिथि, लिंग, कक्षा और श्रेणी जैसे महत्वपूर्ण विवरणों की बारीकी से जांच कर लें। सही जानकारी दर्ज होने से भविष्य में छात्रों के प्रमाण पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि या असुविधा उत्पन्न नहीं होगी।

डॉ. राजेश शर्मा, चेयरमैन प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड

Himachal Main
Wed, 09 September 2026

पंजाब केसरी
WED,09 SEPTEMBER 2026
EDITION: HIMACHAL , PAG

सत्र 2026-27 के परीक्षार्थियों का पंजीकरण शुरू

धर्मशाला, 8 सितम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सत्र 2026-27 के लिए नवमीं से

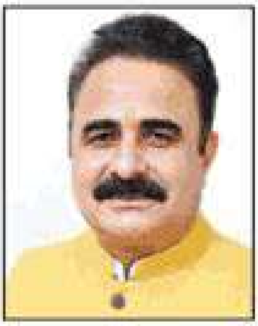

बारहवीं कक्षा के नियमित विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीकरण 8 सितम्बर से शुरू कर दिया है। बोर्ड के स्कूल यूजर लॉगइन के माध्यम से 15 अक्तूबर तक बिना विलंब शुल्क 200 रुपए प्रति विद्यार्थी की दर से आवेदन किया जा सकता है, जबकि 500 रुपए लेट फीस के साथ 16 अक्तूबर से 16 नवम्बर तक मौका मिलेगा।

जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि हर पात्र विद्यार्थी का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी छात्र प्रशासनिक लापरवाही या देरी के कारण परीक्षा प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी व सुचारू बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रहा है। बोर्ड अध्यक्ष ने सभी स्कूल प्रमुखों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि त्रुटिरहित विवरण के साथ सभी पात्र छात्रों का पंजीकरण तय समय पर पूरा करें।

कक्षा नौवीं से 12वीं के छात्रों का पंजीकरण शुरू

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सत्र 2026-27 के लिए राजकीय एवं बोर्ड से संबद्ध निजी स्कूलों में पढ़ने वाले नौवीं, दसवीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के नियमित परीक्षार्थियों के ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोर्ड सचिव, अंकुश शर्मा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण आठ सितंबर से शुरू हो गया है। बिना विलंब शुल्क पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर निर्धारित की गई है, जबकि इसके बाद 500 रुपए प्रति छात्र विलंब शुल्क के साथ 16 अक्तूबर से 16 नवंबर तक पंजीकरण किया जा सकेगा। पंजीकरण शुल्क 200 रुपए प्रति छात्र निर्धारित किया गया है।

Divya Himachal Dt.09-09-2026

Himachal Dastak Dt.09-09-2026

9वीं से 12वीं तक के नियमित विद्यार्थियों के ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नियमित विद्यार्थियों के ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 8 सितंबर से शुरू कर दी है। बिना विलंब शुल्क पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि 200 रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित है। 16 अक्तूबर से 16 नवंबर तक 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण किया जा सकेगा। उन्होंने विद्यालयों को प्रत्येक पात्र विद्यार्थी का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित करने और सभी विवरण सावधानीपूर्वक दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अंतिम तिथि के बाद पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा और देरी की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय की होगी।

HP Board of School Education Begins Registration for 2026-27 Examinees; Deadline is October 15

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA SEP 8 : The Himachal Pradesh Board of School Education is commencing the online registration process on September 8, 2026, for regular examinees in classes 9, 10, 11, and 12 across government and private schools affiliated with the Board for the 2026-27 academic session. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma announced that the deadline for online registration without a late fee is October 15, 2026. Subsequently, the period for registration with a late fee of ₹500 per student will run from October 16, 2026, to November 16, 2026. The registration fee for regular examinees has been set at ₹200 per student. He stated that schools must register eligible examinees via the "Online Registration" option available on the Board's 'School User Login' portal. Necessary information and documents regarding registration must be uploaded to the portal in accordance with the prescribed procedure. Dr. Rajesh Sharma urged all school principals, headmasters, and class teachers to ensure the registration of every eligible student within the stipulated timeframe. He emphasized that during registration, details such as the student's name, parents' names, date of birth, gender, class, and category must be entered only after careful verification to prevent any future errors or inconvenience. The Board Chairman stated that the students' future and academic interests are the Board's top priority. He noted that the Board is continuously striving to make examination-related processes simpler, more transparent, organized, and time-bound. Timely registration will also facilitate the smooth preparation and conduct of the upcoming board examinations. He clarified that no registrations would be accepted after the prescribed deadline, and the concerned school principal or headmaster would bear full responsibility for any failure to complete registration on time. Dr. Sharma made a special request to the school management, stating that the registration of every eligible student must be ensured on time so that no student is adversely affected by the examination process due to administrative negligence or delay. He added that the Himachal Pradesh Board of School Education is fully committed to the interests of students, and continuous steps are being taken to make the examination system more effective and student-friendly.

Dainik Jagran Dt.09-09-2026

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने व युवा सशक्तीकरण पर की चर्चा

धर्मशाला में मंगलवार को बैठक के बाद सांसद डा. राजीव भारद्वाज, विधायक पवन काजल, रणवीर सिंह निक्का व साथ में शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा • जागरण

जागरण संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बोर्ड कार्यालय में सांसद राजीव भारद्वाज, विधायक पवन काजल, विधायक रणवीर सिंह (निक्का) और नगर निगम धर्मशाला के महापौर शमशेर सिंह नेहरिया के साथ सार्थक चर्चा की। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, शिक्षण संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार, युवाओं के कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की प्रगति की नींव शिक्षा व्यवस्था होती है। बच्चों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक अवसर, आधुनिक सुविधाएं और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

डा. शर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार, युवाओं को नए अवसर और क्षेत्र के विकास के लिए समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने जनआकांक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण और क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उनका लक्ष्य है कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और युवाओं को कौशल विकास के नए अवसर मिलें।

‘शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और युवाओं के सशक्तिकरण पर जनप्रतिनिधियों संग चर्चा’

न्यूज चौपाल/ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने आज मंगलवार को बोर्ड कार्यालय में सांसद राजीव भारद्वाज, विधायक पवन काजल, विधायकश्री रणवीर सिंह (निक्का) और महापौर शमशेर सिंह नेहरिया से आत्मीय एवं सार्थक भेंट की। इस अवसर पर क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने, शिक्षण संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार, युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने सहित क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की प्रगति की मजबूत नींव उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। बच्चों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक अवसर, आधुनिक सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा अपनी प्रतिभा और हुनर को निखारने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना समय की आवश्यकता है। शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच बेहतर समन्वय, निरंतर संवाद और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन बच्चों के बेहतर भविष्य, शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और क्षेत्र के विकास जैसे विषय हम सभी की साझा जिम्मेदारी हैं। जनहित से जुड़े मुद्दों पर संवाद, सहयोग और सकारात्मक सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार, युवाओं को नए अवसर उपलब्ध करवाने तथा क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनआकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, युवाओं के सशक्तिकरण और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वह निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगार के नए अवसर तथा क्षेत्र को शिक्षा और विकास के क्षेत्र में नई दिशा मिल सके। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा से सशक्त समाज, युवाओं से मजबूत भविष्य और विकास से समृद्ध क्षेत्र यही हमारा संकल्प है।

पंजाब केसरी
WED,09 SEPTEMBER 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 1

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए बोर्ड अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से की चर्चा

धर्मशाला, 8 सितम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बोर्ड कार्यालय में कांगड़ा के सांसद राजीव भारद्वाज, कांगड़ा के विधायक पवन काजल, नूरपुर के विधायक रणवीर सिंह और धर्मशाला नगर निगम के महापौर शमशेर सिंह नेहरिया से मुलाकात की।

इस दौरान क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, शिक्षण संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार और युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे कई अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

डा. राजेश शर्मा ने बताया कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन बच्चों का बेहतर भविष्य और शिक्षा का सुदृढ़ीकरण हम सभी की सांझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही किसी भी क्षेत्र की प्रगति की मजबूत नींव है, इसलिए युवाओं को हुनरमंद बनाने और बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के लिए निरंतर सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं।

Amar Ujala Dt.09-09-2026

शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर चर्चा

धर्मशाला। स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने मंगलवार को बोर्ड कार्यालय में सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज, विधायक पवन काजल, रणवीर सिंह निक्का और नगर निगम धर्मशाला के महापौर शमशेर सिंह नैहरिया से भेंट की। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षण संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा हुई। डॉ. शर्मा ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य और शिक्षा के सुदृढ़ीकरण की जिम्मेदारी सभी की साझा है। संवाद

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज़
08 सितंबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नजर के साथ

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और युवाओं के सशक्तिकरण पर जनप्रतिनिधियों से सार्थक चर्चा : डॉ. राजेश शर्मा

कहा-राजनीतिक विचारधाराएं हो सकती हैं अलग, बच्चों के बेहतर भविष्य, शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और क्षेत्र के विकास के लिए हम सभी की साझा जिम्मेदारी

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने आज बोर्ड कार्यालय में माननीय सांसद राजीव भारद्वाज, कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक पवन काजल, नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक रणवीर सिंह (निक्का) तथा नगर निगम धर्मशाला के महापौर शमशेर सिंह नेहरिया से आत्मीय एवं सार्थक भेंट की। इस अवसर पर क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने, शिक्षण संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार, युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने सहित क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की प्रगति की मजबूत नींव उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। बच्चों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक अवसर, आधुनिक सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा अपनी प्रतिभा और हुनर को निखारने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच बेहतर समन्वय, निरंतर संवाद और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन बच्चों के बेहतर भविष्य, शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और क्षेत्र के विकास जैसे विषय हम सभी की साझा जिम्मेदारी हैं। जनहित से जुड़े मुद्दों पर संवाद, सहयोग और सकारात्मक सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार, युवाओं को नए अवसर उपलब्ध करवाने तथा क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनआकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, युवाओं के सशक्तिकरण और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वह निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगार के नए अवसर तथा क्षेत्र को शिक्षा और विकास के क्षेत्र में नई दिशा मिल सके।

डॉ. शर्मा ने कहा कि-'शिक्षा से सशक्त समाज, युवाओं से मजबूत भविष्य और विकास से समृद्ध क्षेत्र-यही हमारा संकल्प है।'

Meaningful discussion with public representatives on strengthening the education system and empowering the youth: Dr. Rajesh Sharma

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA SEP 8 : Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh School Education Board, held a cordial and fruitful meeting with Member of Parliament Rajeev Bhardwaj, MLA Pawan Kajal of Kangra Assembly Constituency, Honorable MLA Ranveer Singh (Nikka) of Nurpur Assembly Constituency, and Honorable Mayor of Dharamshala Municipal Corporation Shamsher Singh Nehria at the Board office. On this occasion, a positive and detailed discussion was held on various important issues related to the overall development of the region and public interest, including strengthening the education system in the region, providing quality education to students, expanding essential facilities in educational institutions, skill development of youth, and promoting employment-oriented education. Dr. Rajesh Sharma stated that the education system is a strong foundation for the progress of any region. Providing children and youth with better educational opportunities, modern facilities, quality education, and ample opportunities to hone their talents and skills is the need of the hour. He stated that better coordination, continuous dialogue, and collective efforts among all stakeholders are essential for the desired improvements in the education sector. He stated that political ideologies may differ, but issues such as a better future for children, strengthening education, and developing the region are shared responsibilities. Dialogue, cooperation, and positive thinking on issues of public interest strengthen the democratic system. Dr. Sharma stated that coordinated efforts should be made at all levels to bring about necessary reforms in the education system, provide new opportunities for youth, and accelerate the region's development. He stated that he is committed to improving the education sector, empowering youth, and the overall development of the region, giving top priority to public aspirations. He stated that his efforts will be to provide a better educational environment for students, new opportunities for skill development and employment for youth, and a new direction for the region in the fields of education and development. Dr. Sharma stated, "A strong society through education, a strong future through youth, and a prosperous region through development—this is our resolve."

The Sunny Times

BEYOND PARTY LINES: DR. RAJESH SHARMA UNITES HIMACHAL LEADERS TO FIX THE CLASSROOM

The Sunny Times | Dharamshala

When it comes to fixing the classroom, political lines must take a back seat. That was the unmistakable message from Himachal Pradesh Board of School Education Chairman Dr. Rajesh Sharma on Monday, as he brought top regional lawmakers together at the Board's Dharamshala headquarters to chart a decisive revamp of the state's education machinery.

Hosting a power-packed delegation that included MP Rajiv Bhardwaj, Kangra MLA Pawan Kajal, Nurpur MLA Ranveer Singh (Nikka), and Dharamshala Mayor Shamsher Singh Neharia, Sharma steered the table away from partisan divides and straight into brass tacks: modernizing infrastructure, delivering sharper job-oriented skills, and making quality schooling a reality rather than a policy cliché.

Sharma made it clear that political ideologies can differ, but the future of Himachal's children is a non-negotiable, shared duty. A community's economic backbone rises and falls with its schools, he argued, warning that traditional models are failing the ambitions of today's youth. To keep up, classrooms need cutting-edge facilities, and curricula must pivot aggressively toward skill-based training that translates into actual employment.

Democracy works best, Sharma noted, when elected leaders talk less and act together on the fundamentals. The high-level sit-down concluded with a mutual commitment to tear down administrative silos and push coordinated, measurable reforms across institutions. Sharma summed up the mission with sharp clarity: an empowered society begins with strong schools, a resilient future rests on prepared youth, and true regional prosperity depends on getting both right.